

तुल्य रूप वि. (तत्.) समरूप, सदृश।

तुवर वि. (तत्.) 1. कसैला 2. बिना दाढ़ी-मूँछ का।

तुवरिका स्त्री. (तत्.) 1. गोपी चंदन 2. अरहर 3. फिटकरी।

तुवरी स्त्री. (तत्.) तूँबी, वैद्यक में प्रयुक्त छोटा पात्र, जो वात विकार या रक्त विकार दूर करने के लिए लगाया जाता है।

तुष पुं. (तत्.) 1. अन्न की भूसी 2. अंडे के ऊपर का छिलका 3. बेहड़े का पेड़।

तुषांबु पुं. (तत्.) एक प्रकार की कांजी जो भूसी सहित कुटे हुए जौ को सड़ाकर बनाई जाती है।

तुषाग्नि पुं. (तत्.) तुषानल।

तुषानल पुं. (तत्.) 1. भूसी की आग 2. धासफूस की आग।

तुषार पुं. (तत्.) 1. पाला 2. हिम, बर्फ 3. एक प्रकार का कपूर 4. ओस।

तुषारर्तु स्त्री. (तत्.) ठंडक का मौसम, सर्दी का मौसम, शरद ऋतु।

तुषारांशु पुं. (तत्.) चंद्रमा।

तुषाराद्रि पुं. (तत्.) हिमालय पर्वत।

तुषित पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार के गण देवता 2. विष्णु।

तुषिता स्त्री. (तत्.) उपदेवियों का एक वर्ग।

तुषोत्थ पुं. (तत्.) तुषोदक।

तुषोदक पुं. (तत्.) 1. छिलके समेत कटे हुए जौ को सड़ाकर बनाई हुई कांजी, तुषांबु।

तुष्ट वि. (तत्.) 1. संतुष्ट, तृप्त 2. प्रसन्न, खुश।

तुष्टना अ.क्रि. (तद्.) तुष्ट होना, प्रसन्न होना।

तुष्टि पुं. (तत्.) 1. संतोष, तृप्ति 2. प्रसन्नता।

तुष्टिकरण पुं. (तत्.) तुष्ट करने की क्रिया।

तुष्टु पुं. (तत्.) कर्णमणि।

तुसार पुं. (तद्.) दे. तुषार।

तुस्त स्त्री. (तत्.) 1. धूल, गर्द 2. भूसी।

तुहमत स्त्री. (अर.) दे. तोहमत।

तुहमती वि. (अर.) इल्जाम लगाने वाला, आरोप लगाने वाला।

तुहिनांशु पुं. (तत्.) 1. चंद्रमा 2. कपूर।

तुहिन पुं. (तत्.) 1. पाला, तुषार, कुहरा 2. हिम 3. चाँदनी 4. शीतलता 5. ओस।

तुहिनाचल पुं. (तत्.) हिमालय पर्वत।

तुहिनाद्रि पुं. (तत्.) हिमालय पर्वत।

तूँबड़ा पुं. (तत्.) दे. तूँबा।

तूँबा पुं. (तत्.) 1. कदुआ गोल कट्ठू, कड़वा गोल घिया, तितलौकी 2. साधुओं का कमंडल।

तूँबी स्त्री. (तत्.) 1. कदुआ गोल कट्ठू 2. कट्ठू को खोखला करके बनाया हुआ बर्तन मुहा. तूँबी लगाना- वात विकार के खींचने के लिए तूँबी का उपयोग करना।

तू सर्व. (तद्.) मध्यम पुरुष एक वचन सर्वनाम प्रयो. तू यहाँ क्या कर रहा है? तू-तड़ाक करना- कहा सुनी करना प्रयो. वह बात बात पर तू तड़ाक करने लगता है, अशिष्ट शब्दों का प्रयोग करना, गाली, गलौज करना।

तूअर स्त्री. (तद्.) अरहर का पौधा।

तूख पुं. (तद्.) सीक, खरका।

तूखना क्रि.अ. (तद्.) संतुष्ट होना क्रि.स. संतुष्ट करना।

तूटना अ.क्रि. (देश.) दे. टूटना।

तूठना अ.क्रि. (देश.) 1. तुष्ट होना, तृप्त होना 2. प्रसन्न होना, राजी होना।

तूण पुं. (तत्.) तरकश, तीर रखने का चोंगा।

तूणक पुं. (तत्.) एक छंद जिसका प्रत्येक चरण पंद्रह अक्षरों का होता है।